



Hargharpanditji

॥ श्री रुद्राष्टकम् ॥

ॐ नमः शिवाय

FULL DISCLAIMER

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"

॥ श्री रुद्राष्टकम् ॥

नमामीशमीशान निर्वाणरूपं,
विभुं व्यापकं ब्रह्मवेदस्वरूपम्।
निजं निर्गुणं निर्विकल्पं निरीहं,
चिदाकाशमाकाशवासं भजेऽहम्॥

निराकारमोंकारमूलं तुरीयं,
गिराज्ञानगोतीतमीशं गिरीशम्।
करालं महाकालकालं कृपालं,
गुणागार संसारपारं नतोऽहम्॥

तुषाराद्रि संकाश गौरं गभीरं,
मनोभूतकोटि प्रभाश्री शरीरम्।
स्फुरन्मौलिकल्लोलिनी चारुगंगा,
लसद्भ्रालबालेन्दु कण्ठे भुजंगा॥

चलत्कुण्डलं भूसुनेत्रं विशालं,
प्रसन्नाननं नीलकण्ठं दयालम्।
मृगाधीशचर्माम्बरं मुण्डमालं,
प्रियं शंकरं सर्वनाथं भजामि॥

प्रचण्डं प्रकृष्टं प्रगल्भं परेशं,
अखण्डं अजं भानुकोटिप्रकाशम्।
त्रयः शूलनिर्मूलनं शूलपाणिं,
भजेऽहं भवानीपतिं भावगम्यम्॥

कलातीतं कल्याण कल्पान्तकारी,
सदा सज्जनानन्ददाता पुरारि।
चिदानन्दसंदोह मोहापहारी,
प्रसीद प्रसीद प्रभो मन्मथारि॥

न यावदुमानाथ पादारविन्दं,
भजन्तीह लोके परे वा नराणाम्।
न तावत्सुखं शान्ति सन्तापनाशं,
प्रसीद प्रभो सर्वभूताधिवासम्॥

न जानामि योगं जपं नैव पूजा,
नतोऽहं सदा सर्वदा शम्भु तुभ्यम्।
जरा जन्म दुःखौघ तातप्यमानं,
प्रभो पाहि आपन्नमामीश शम्भो॥

॥ फलश्रुति ॥

रुद्राष्टकमिदं प्रोक्तं विप्रेण हरतोषये।
ये पठन्ति नरा भक्त्या तेषां शम्भुः प्रसीदति॥
॥ इति श्री रुद्राष्टकम सम्पूर्णम् ॥

Hargharpanditji

PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR